सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 22 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप अच्छा बना नहीं सकते तो कम से कम ऐसा करिए कि वो अच्छा दिखे।
-बिल गेट्स

दक्षिण अफ्रीका ने किया जीत के साथ... 7 | रेखा के लिए आसान नहीं दिल्ली... 3 | भाजपा सरकार ने यूपी के लोगों... 2

इंदिरा गांधी के अपमान पर आगबबूला हुआ राजस्थान

भाजपा मंत्री के पूर्व पीएम को दादी कहे जाने पर मचा बवाल

- कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना
- गहलोत बोले- विपक्ष की आवाज दबाने का तरीका अपना रही बीजेपी
- भाजपा बोली- हिन्दू समाज में तो दादी एक सम्मानजनक शब्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में दादी शब्द को लेकर कोहराम मच गया है। दरअसल विधानसभा में मंत्री अविनाश गहलोत के द्वारा इंदिरा गांधी को दादी कहे जाने का मामला बढ़ता जा रहा है। मामला इतना बढ़ा कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को विधानसभा में तो उठाया ही इसको लेकर अब वह भाजपा सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में जमकर प्रदर्शन करेगी।

इससे पहले कांग्रेस की तरफ से इसे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का अपमान बताते हुए जमकर बवाल किया गया और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे, जिसके बाद 6 कांग्रेस विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। इसे लेकर कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करने की बात कर रही है।राजस्थान कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा गया है, बीजेपी सरकार के मंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अपमान और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विधायकों के निलंबन के खिलाफ 22 फरवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

ये है पूरा मामला

दरअसल ये पूरा हंगामा राजस्थान विधानसभा में भाजपा के तरफ से दिए गए एक बयान पर हुआ है। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'दादी' कह दिया। प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, ''2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था। स्पीकर की ओर से कांग्रेस के 6 विधायकों के निलंबन के बाद कांग्रेस आक्रामक रुप अपना सकती है। अब निलंबित विधायक रात से सदन के वेल में ही धरना दे रहे हैं। देखना ये है कि कांग्रेस के हंगाने के बाद इस सत्र के लिए विधायकों के निलंबन का फैसला वापस लिया जाएगा या नहीं।

छह कांग्रेस विधायक बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

राजस्थान विधानसभा में हंगामे के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस के छह विधायकों को निलंबित कर दिया है। हंगामे के चलते तीन बार स्थगित होने के बाद शाम चार बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। इसमें सत्ता पक्ष की तरफ से मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित मान लिया गया। इनमें कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन गेसावत, संजय जाटव, गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी और हाकम अली खान को शेष बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया है।

उल्टा चोर कोतवाल को डांटे : टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि हमारे तरफ से ऐसा कोई प्रतिरोध है नहीं, ये तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली स्थिती हो गई है। पहले तो बीजेपी के तरफ से इंदिरा गांधी के खिलाफ टिप्पणी की गई और उनके शब्दों को नहीं हटाया गया। पहली बार तो नहीं हुआ कि विधायक सदन के वेल में जा कर प्रदर्शन कर रहे हो। अब विधायक अगर अध्यक्ष के पास शिकायत करने नहीं जाएंगे तो कहां जाएंगे।

कोई अपमान नही किया : राधा मोहन

वहीं, जयपुर बीजेपी प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल का कहना है कि इंदिरा गांधी की शादी तो पारसी समाज में हुई थी। हमने कोई अपमान नहीं किया है। भाजपा नेता ने कहा हम पता करेंगे पारसी में क्या कहा जाता है, हम वही इंदिरा गांधी के लिए कहवा देंगे, हिन्दू समाज में तो दादी एक सम्मानजनक शब्द है।

सदन की गरिमा बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी : जवाहरसिंह बेढ़म

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत के दौरान विधानसभा में हुई घटना को लेकर विपक्ष को आत्मचिंतन करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी हैं और उनकी बात न मानते हुए सदन की परंपराओं को तार-तार करने वाली घटनाएं दुखद हैं। मंत्री बेढ़म ने कहा- मैं आहत हूं। सदन को सुचारू रूप से चलाना सभी की जिम्मेदारी है। कल सदन में की गई हरकत को लेकर विपक्ष को स्वीकार करना चाहिए कि उन्होंने गलत किया है और सभी को मिलकर सदन को चलाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि वे विपक्ष के नेताओं से मिलने कल रात गए थे लेकिन जो घटना घटी, उसने उन्हें आहत किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखना सभी दलों की जिम्मेदारी है और विपक्ष को आत्ममंथन कर भविष्य में सदन की कार्रवाई सुचारू रूप से चलाने में सहयोग देना चाहिए।

लोस-रास की तरह विस चलाना चाहती है बीजेपी : गहलोत

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के निलंबन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा की तरह अब विधानसभा में भी विपक्ष की आवाज दबाने का तरीका अपनाया है। गहलोत ने कहा, पहले भाजपा सरकार के एक मंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की गई और जब कांग्रेस विधायकों ने इसका विरोध किया, तो उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया। यह दर्शाता है कि सरकार अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष को दबाने में जुटी है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रश्नकाल के दौरान मंत्री को अपने जवाब के अलावा इस तरह की टिप्पणी करने की क्या आवश्यकता थी। गहलोत ने कहा कि देश के लिए जान देने वाली नेता पर की गई अपमानजनक टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। गहलोत ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से तमाशा बन गई है और उसके पास पिछले एक साल में गिनाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सत्र में नेता प्रतिपक्ष का भाषण नहीं होने दे रही है और अब दलित, पिछड़े, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विधायकों को भी निलंबित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि कहीं यह बजट पर चर्चा से ध्यान भटकाने की कोशिश तो नहीं है। इस घटनाक्रम के बाद राजस्थान की राजनीति में हलचल मची हुई है और कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर है।

भाजपा सरकार ने यूपी के लोगों को कर्ज में डुबोया : अखिलेश

सपा प्रमुख ने सीएम योगी के वन ट्रिलियन इकानमी पर कसा तंज

» बोले- गरीब और गरीब होता जा रहा, यूपी के प्रत्येक निवासी पर 36 हजार का कर्ज

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लगातार कर्ज का बोझ बढ़ रहा है

अखिलेश यादव के मुताबिक उत्तर प्रदेश के इस बजट में भी भाजपा सरकार ने 91 हजार करोड़ का कर्ज लिया है। आजादी के बाद 2017 तक यूपी पर तीन लाख करोड़ का कर्ज था। लेकिन, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पिछले आठ साल में 6 लाख करोड़ रुपए का और कर्ज ले चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश को लगातार कर्ज के बोझ से दबा रही है। भाजपा सरकार अपनी गलत आर्थिक नीतियों से देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था से भी खिलवाड़ कर रही है। यह सब सरकार चंद पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए कर रही है। इस सरकार में गरीब और गरीब होता जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी से हर वर्ग परेशान है। किसान, नौजवान, व्यापारी, महिलाएं सभी परेशान हैं। लोगों के हाथ में पैसा नहीं है। जनता की जेब खाली है।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का यूपी की योगी सरकार पर हमला जारी है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को कर्ज में डूबो दिया है। सीएम योगी के उत्तर प्रदेश 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के दावे पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है प्रत्येक यूपीवासी पर 36 हजार का कर्ज है और सीएम योगी वन? ट्रिल्यन इकानमी का सपना दिखाकर बेरोजगारों को बेवाकूफ बना रहे हैं।

उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को कर्ज में डुबो दिया है। यूपी के हर व्यक्ति पर 36 हजार का कर्ज है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पिछले आठ साल में छह लाख करोड़ रुपये का और कर्ज ले चुकी है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश को लगातार कर्ज के बोझ से दबा रही है। भाजपा सरकार अपनी गलत आर्थिक नीतियों से देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था से भी खिलवाड़ कर रही है। यह सब भाजपा सरकार चंद पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए कर रही है। इस सरकार में गरीब और गरीब होता जा रहा है।

विकास योजनाएं सिर्फ कागजों पर

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि प्रदेश और केंद्र की सरकार में विकास योजनाएं सिर्फ कागजों पर हैं। सरकार झूठे आंकड़े देकर जमीनी सच्चाई को छिपाने का प्रयास कर रही है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं रहा है। निर्माण कार्यों से लेकर स्वास्थ्य, पुलिस विभाग हर जगह भ्रष्टाचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूरी तरह से झूठ, लूट और बेईमानी की नीति पर चल रही है। जनहित में कोई काम नहीं हो रहा है। किसानों, नौजवानों समेत आम लोगों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। 2027 में भाजपा की झूठ, लूट और बेईमानी वाली सरकार को जनता हमेशा के लिए सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देगी।

भाजपा की बी टीम हैं मायावती : उदित राज

» कांग्रेस नेता उदित राज एक बार फिर बसपा पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती पर एक बार फिर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मायावती भाजपा की बी टीम है। अब समय आ चुका है कि दलित समाज इन्हें पहचानें। उन्होंने कहा है कि मायावती ने इस देश के दलित समुदाय के साथ छलावा किया है, जिसे अब इस देश की जनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकती है।

मायावती ने पिछले 40 सालों में दलितों के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने आज तक दलित समुदाय के हित में कोई मांग नहीं की। उन्होंने दलितों के उत्थान के लिए आज तक कोई काम नहीं किया। उन्होंने आज तक दलितों के हित में कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने संविधान के लिए कोई काम नहीं किया। वह सिर्फ अपनी राजनीतिक उन्नति के बारे में सोचती हैं। जिसे अब दलित समुदाय समझ चुका है।

उदित राज के मुताबिक अब दलित समुदाय कांग्रेस के खेमे में आ चुका है। मैं मायावती से कहना चाहूंगा कि दलित समुदाय के पक्ष में अच्छा काम करें। लेकिन, मायावती भी इस बात को भली भांति जानती हैं कि उन्होंने दलित समुदाय के हितों पर कुठाराघात किया है। उन्होंने आगे कहा कि मायावती ईडी और सीबीआई के डर से केवल वही करती हैं, जो भाजपा उन्हें करने के लिए कहती है, तो ऐसे में उनके जेहन में कई तरह के डर हैं कि खुद को सलाखों के पीछे जाने से कैसे बचाएं। खुद का राजनीतिक भविष्य कैसे बचाएं। खुद की संपत्ति कैसे बचाएं। उन्होंने दावा किया कि 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद से बसपा भाजपा की बी टीम बन चुकी है। मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में खुद यह कहा था कि सपा से बेहतर है कि भाजपा जीत जाए।

शिवराज सिंह ने एयर इंडिया की टूटी हुई सीट पर बैठकर की यात्रा

» एयर इंडिया पर जमकर बरसे कृषि मंत्री

» एयर इंडिया ने मांगी माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ आज एक ऐसी घटना घटी, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। दरअसल, शिवराज को एयर इंडिया की टूटी हुई सीट पर बैठकर सफर करना पड़ा है, जिससे वो खासा नाराज हो गए। शिवराज सिंह ने इस बात की जानकारी खुद अपने एक्स हैंडल से दी है। केंद्रीय मंत्री को भोपाल से दिल्ली आना था और पूसा में किसान मेले का उद्घाटन करना था। उन्होंने कहा कि मुझे प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के नेताओं से भी मिलना है। इसके लिए मैं फ्लाइट से जा रहा था, लेकिन वहां की व्यवस्था काफी खराब मिली।

हालांकि एयर इंडिया ने इसके बाद शिवराज सिंह से माफी मांगी। कंपनी ने ट्वीट किया, आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। कृपया आश्वस्त रहें कि हम भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए इस मामले पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं। हम आपसे बात करने का अवसर पाकर प्रसन्न होंगे। मंत्री ने कहा मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक एआई-436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना काफी तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं।

मुझे हल्के में न लें, टांगा पलट सकता है : शिंदे

» इशारों-इशारों में शिवसेना ने दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन्हें हल्के में लेने वालों को चेताया। नागपुर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि मुझे हल्के में न लें, जिन लोगों ने मुझे हल्के में लिया है। उन्हें मैं पहले ही यह कह चुका हूं। मैं एक सामान्य पार्टी कार्यकर्ता हूं, लेकिन मैं बाला साहेब का कार्यकर्ता हूं और सभी को मुझे इसी समझ के साथ लेना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया कि जब 2022 में लोगों ने मुझे हल्के में लिया तो टांगा पलट गया और मैंने सरकार बदल दी। उन्होंने कहा कि हम आम लोगों की इच्छाओं की सरकार लेकर आए। विधानसभा में अपने पहले भाषण में मैंने कहा था कि देवेंद्र फड़नवीस जी को 200 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और हमें 232 सीटें मिलीं। इसलिए मुझे हल्के में न लें, जो लोग इस संकेत को समझना चाहते हैं, वे इसे समझें और मैं अपना काम करता रहूंगा। अभिभावक मंत्री के पद पर असहमति से लेकर परियोजनाओं की निगरानी के लिए अलग-अलग मेडिकल सेल और वॉर रूम की अलग-अलग समीक्षा बैठकें करने तक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उनके डिप्टी शिंदे के बीच बेचैनी बढ़ती दिख रही है।

महाराष्ट्र में फडणवीस-शिंदे के बीच क्या सब ठीक है

हालाँकि फड़नवीस और शिंदे दोनों ने अपने बीच किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया है और सब कुछ ठीक है के संदेश के साथ एकता की तस्वीर पेश करने की कोशिश की है, लेकिन कई उदाहरण अन्यथा सुझाव देते हैं। रायगढ़ और नासिक जिलों के संरक्षक मंत्रियों पर फैसले से दरार बढ़ती देखी गई। राकांपा विधायक अदिति तटकरे और भाजपा नेता गिरीश महाजन की क्रमशः रायगढ़ और नासिक के संरक्षक मंत्री के रूप में नियुक्ति से शिवसेना नाराज थी। हालांकि दोनों नियुक्तियों को रोक दिया गया है, फिर भी मामला अनसुलझा है।

तमिल शास्त्रीय भाषा किसी से भी कम नहीं है: स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि मातृन केवल उत्कृष्ट पुरातनकालीन है, बल्कि यह एक शास्त्रीय है जिसमें अन्य भाषाओं की मदद के बिना स्वतंत्र रूप से कार्य करने की शक्ति है।

अंतरराष्ट्रीय मातृदिवस पर अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने की विशिष्टता पर जोर दिया और कहा कि तमिल किसी भी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में पुरातात्विक उत्खनन प्राचीन तमिलों के इतिहास की महानता को स्थापित कर रहे हैं, जिनकी मातृन केवल उत्कृष्ट प्राचीन है, बल्कि एक शास्त्रीय भी है जिसमें अन्य भाषाओं की मदद के बिना स्वतंत्र रूप से कार्य करने की शक्ति है। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारी अनूठी शास्त्रीय पूरी दुनिया में फैले!'' अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय मातृदिवस पर, जिसमें भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया जाता है, हम हमेशा अपनी मातृतमिल और सभी भाषाओं का और समानता के साथ हमारी बोलने वालों की भावनाओं का सम्मान करेंगे।''

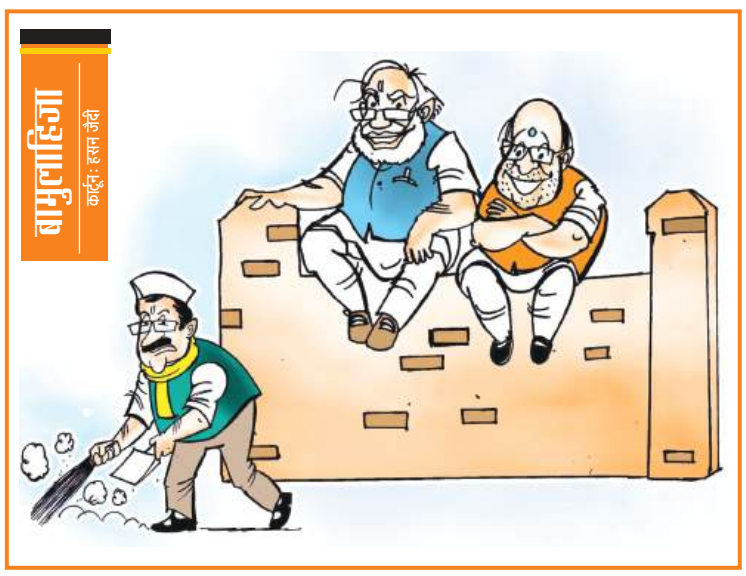

रेखा के लिए आसान नहीं दिल्ली की सत्ता

विपक्ष के रूप में आप करेगी हर मोड़ पर सवाल

» मुख्यमंत्री के रूप में खड़ी हैं कई चुनौतियां

» जनता को भाजपा सरकार से बहुत उम्मीदें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा की नेता रेखा गुप्ता ने दिल्ली की सीएम के रुप में कामकाज शुरू कर दिया है। उन्होंने सीएम की कुर्सी पर बैठते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिये है। सियासी गलियारों में यह भी चर्चा कि रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

कर्मठ कार्यकर्ता होने का लाभ

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

वादों को पूरा करने में लगेगी ताकत

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

आतिशी ने नई सीएम पर किया हमला

पहली कैबिनेट बैठक में बीजेपी सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपये सम्मान निधि देने वाले वादे पर कोई फैसला नहीं किया। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी विधायक आतिशी ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी की महिला सीएम ने दिल्ली की महिलाओं से धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया।आतिशी ने एक्स पर एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। उन्होंने कहा, भाजपा की दिल्ली सरकार ने पहले दिन से ही दिल्लीवालों को धोखा देना शुरू कर दिया। चुनाव से पहले पीएम मोदी और सभी भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट में ही दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपये महीना देने की योजना पास करेंगे। लेकिन आज पहली कैबिनेट हुई और इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। दुख की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री ने महिलाओं से किया अपना वादा, पहले दिन ही तोड़ दिया। कैबिनेट बैठक से पहले, आतिशी ने कहा था कि दिल्ली की महिलाएं देख रही हैं और बीजेपी से अपने वादे का सम्मान करने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने नई मुख्यमंत्री को बधाई भी दी। उन्होंने कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में स्वयं मोदी जी और भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में हर महिला को ?2500/महीना देने की योजना पास होगी और 8 मार्च तक पहली किश्त मिलेगी। आज शाम 7 बजे नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक है। दिल्ली की हर महिला इंतज़ार कर रही है कि भाजपा अपना वादा निभाए। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते रेखा गुप्ता जी से उम्मीद है कि वह दिल्ली की महिलाओं से किया गया वादा जरूर पूरा करेंगी।

खरा नहीं उतरा बजट, लोगों को ज्यादा की चाहत

» आमजनों को लाभ नहीं मिल पा रहा, घोषणाओं का पुलिंदा बनकर रह गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय बजट के बाद राज्यों के बजट आने लगें हैं। जहां सत्ता में बैठी भाजपा अपने व अपने राज्यों के बजट की तारीफ कर रही है तो विपक्षी दल इन बजटों का नाकाम बता रहीं है। कांग्रेस कह रही है कि केंद्र और प्रदेश दोनों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल और केरोसिन के दाम कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

कांग्रेस के रष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान विधानसभा में भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को वास्तविकता से परे और आमजन के हितों के विपरीत करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में नई घोषणाएं तो की हैं, लेकिन पिछले बजट में किए गए वादों की वर्तमान स्थिति पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। सरकार को नई घोषणाओं के साथ यह भी स्पष्ट करना चाहिए था कि उन्हें जमीनी स्तर पर कैसे लागू किया जाएगा।

कई सालों से रोजगार मे हो रही रसाकशी

पायलट ने बजट में घोषित रोजगार नीति और युवाओं के लिए 1.25 लाख सरकारी नौकरियों की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले वर्ष घोषित एक लाख सरकारी नौकरियों का क्या हुआ, इसके बारे में सरकार को आंकड़े पेश करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया जा रहा, जो कि गंभीर चिंता का विषय है।उन्होंने जल जीवन मिशन की समय सीमा 2028 तक बढ़ाने पर भी सवाल उठाए और कहा कि पिछले एक साल में हजारों करोड़ रुपये की बड़ी परियोजनाओं के टेंडर लंबित पड़े हैं। अमृत 2.0 योजना के तहत पिछले एक साल में 5000 करोड़ रुपये में से एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ, फिर भी बजट में उसी योजना की पुनः घोषणा कर दी गई।महंगाई को लेकर भी उन्होंने बजट की आलोचना की और कहा कि केंद्र और प्रदेश दोनों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल और केरोसिन के दाम कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सचिन पायलट ने सरकार को घेरा

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने सचिन पायलट (ईआरसीपी) पर भी सरकार को घेरा और कहा कि सरकार द्वारा 9500 करोड़ रुपये के वर्क ऑर्डर जारी करने और 12000 करोड़ रुपये के टेंडर आमंत्रित करने की बात कही गई है, लेकिन बजट में इसके लिए केवल 200 करोड़ रुपये का ही प्रावधान किया गया है, जबकि केंद्रीय मद में इसके लिए कोई राशि आवंटित नहीं की गई। पायलट ने सरकार से पारदर्शिता बरतने और जनता को स्पष्ट रूप से बताने की मांग की कि ईआरसीपी के लिए वित्तीय प्रबंधन किस प्रकार हो रहा है और इसका जनता पर क्या दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पायलट ने कहा कि यह बजट आमजन की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। यह केवल घोषणाओं का पुलिंदा बनकर रह गया है।किश्त मिलेगी। आज शाम 7 बजे नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक है। दिल्ली की हर महिला इंतज़ार कर रही है कि भाजपा अपना वादा निभाए। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते रेखा गुप्ता जी से उम्मीद है कि वह दिल्ली की महिलाओं से किया गया वादा जरूर पूरा करेंगी।

दिल्ली की हर महिला इंतज़ार कर रही है कि भाजपा अपना वादा निभाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शिक्षा में गुणवत्ता पर देना होगा ध्यान

यह भी सच है कि भारत के विश्वविद्यालयों समेत दूसरे उच्च शिक्षण संस्थान भी पिछले वर्षों में तरक्की के नए पायदानों पर पहुंचे हैं, लेकिन जब इन शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग सामने आती है तो हमारे उच्च शिक्षण संस्थान मुकाबले में कहीं पीछे नजर आते हैं। ऐसा इसलिए कि विकसित कहे जाने वाले देशों के शैक्षणिक संस्थान किताबी ज्ञान के साथ-साथ कौशल विकास को भी प्राथमिकता देते हैं।

विश्व गुरू बनने की ओर भारत दुनिया में उच्च शिक्षा में पिछड़ता जा रहा है। तकनीक के साथ कदमताल करते हुए दुनिया भर के उच्च शिक्षा संस्थान नवाचारों के साथ-साथ शोध पर भी जोर दे रहे हैं। यह भी सच है कि भारत के विश्वविद्यालयों समेत दूसरे उच्च शिक्षण संस्थान भी पिछले वर्षों में तरक्की के नए पायदानों पर पहुंचे हैं, लेकिन जब इन शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग सामने आती है तो हमारे उच्च शिक्षण संस्थान मुकाबले में कहीं पीछे नजर आते हैं। ऐसा इसलिए कि विकसित कहे जाने वाले देशों के शैक्षणिक संस्थान किताबी ज्ञान के साथ-साथ कौशल विकास को भी प्राथमिकता देते हैं। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड रेपुटेशन रैंकिंग-2025 में भारत के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों का भी नाम है। चिंता इस बात की है कि इन विश्वविद्यालयों समेत पिछली बार भारत की जितनी भी उच्च शिक्षण संस्थाएं रैंकिंग में शामिल थीं, उनमें इस बार गिरावट आई है।विश्व स्तरीय रैंकिंग में भारत का नाम आना हमारे लिए भले ही संतोष की बात हो, लेकिन यह सवाल भी जरूर उठना चाहिए कि आखिर हमारे ज्यादा संस्थान ऐसी रैंकिंग में जगह क्यों नहीं बना पाते?

सवाल यह भी कि जो संस्थान एक बार रैंक सूची में आते हैं तो फिर अगली बार उससे भी नीचे वाली रैंक में क्यों आने लगते हैं? जाहिर है उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को अभी और प्रयास करने बाकी हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, आइआइटी दिल्ली, आइआइटी मद्रास और सूची में नई शामिल हुई शिक्षा 'ओ' अनुसंधान जैसी संस्थाएं और खड़ी करनी होंगी। ऐसा तब ही संभव है जब हमारे संस्थानों में विश्वस्तरीय संसाधन व सुविधाएं उपलब्ध हों। आज तो हालत यह है कि हमारे यहां से विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए अमरीका, यूके, चीन और जापान की शीर्ष शिक्षण संस्थानों में दाखिले को लालायित रहते हैं। जो इन संस्थानों में दाखिला लेने में सफल हो जाते हैं उनमें से अधिकांश फिर वहीं रोजगार भी हासिल कर लेते हैं। प्रतिभा पलायन की बड़ी वजह भी यही है कि भारत में विश्वस्तरीय संस्थान गिनती के ही हैं। आज दूसरे विकसित देशों के साथ एशियाई देशों में हमारी स्पर्धा चीन के साथ है, जो कि आर्थिक मोर्चे के बाद शैक्षिक मोर्चे पर भी लगातार आगे नजर आ रहा है। यदि हम भविष्य में वैश्विक स्तर पर हमारे संस्थानों को और प्रतिस्पर्धी व बेहतर बनाने चाहते हैं तो अपनी शिक्षा में नवाचार, कौशल प्रशिक्षण और गुणवत्ता का खास ध्यान रखना होगा। नई शिक्षा नीति में इस तरह के अवसर भी रखने चाहिए। प्रतिभाओं का इस्तेमाल हमारे देश में ही होना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिना हाथ सोना-चांदी साधती तीरंदाज शीतल

अरुण नैथानी

यह कल्पना से भी परे है कि एक बेटी, जिसे कुदरत ने हाथ न दिए हों, वह आत्मबल व सतत साधना से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी करने लगे। समाज का हेय दृष्टि से देखना उसकी ताकत बन जाए। निस्संदेह, सुबह जिसकी स्वर्णिम हुई सचमुच साधना में वह सारी रात जागा होगा। इस बात को सिद्ध करती है एशियायी पैरा खेलों में स्वर्ण, विश्व स्पर्धा में रजत और पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली शीतल। जम्मू की शीतल के तीर विजय की अग्नि बरसाते हैं। बिना हाथ के वह सोने-चांदी के तमगे बटोरती है। कल तक जो लोग उस पर व उसके परिवार पर हिकारत के फिक्रे कसते थे, वे आज वाह-वाह कहते नहीं थकते। हाल में उनकी चर्चा ब्रिटिश ब्रॉड कास्टिंग सर्विस के इमर्जिंग प्लेयर अवार्ड जीतने के रूप में हो रही है। उन्हें हाल में बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमन ऑफ द ईयर 2024 श्रेणी में यह सम्मान दिया गया। दरअसल, उन्हें यह सम्मान भारत की सबसे कम उम्र पैरालंपिक पदक विजेता की उपलब्धि हासिल करने पर दिया गया।

यह कल्पना करते हुए रोमांच होता है कि कैसे बिना हाथ की एक लड़की ने तीरंदाजी जैसे धैर्य व साधना वाले खेल में भविष्य तलाशने का मन बनाया। बिना हाथ के तीरंदाजी का अभ्यास करना एक दुष्कर कार्य ही है। कैसे वह धनुष उठाती होगी और कैसे सधे निशाने लगाती होगी, आम आदमी को यह समझने के लिये माथापच्ची करनी पड़ती है। लेकिन यह हकीकत है कि कुछ ही वर्षों में शीतल ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। वर्ष 2022 में एशियायी पैरा खेलों में उन्होंने दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर तहलका मचाया। फिर वर्ल्ड पैरा आर्चरी चैंपियनशिप में चांदी का पदक जीता। फिर तो ये सोने-चांदी के पदक उसकी प्रेरणा बन गये। उसके मन में देश के लिये पैरालंपिक में पदक जीतने का जज्बा जगा। उसने जमकर पसीना बहाया। हासिल पदकों ने उसे नई ऊर्जा दी। कहते हैं दृढ़ संकल्प से इंसान असंभव को भी संभव बना लेता है। यही हुआ। शीतल ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीत तिरंगा लहरा कर हर भारतीय को गर्व से भर दिया।

निस्संदेह, शीतल की कामयाबी उस हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है जिसके साथ कुदरत ने शारीरिक रूप से न्याय नहीं किया। उन लोगों के लिये भी जो जरा-जरा सी नाकामी से आत्मघात की राह चुनते हैं। बहरहाल, शीतल की सफलता के अग्निबाण सतत साधना के ही सुफल हैं। उसकी मेहनत तब पता

चलती है जब शीतल कुर्सी पर बैठकर अपने दाहिने पैर से धनुष उठाती है। उसके बाद अपने कंधे का प्रयोग स्ट्रिंग को पीछे खींचने में करती है। फिर जबड़े की ताकत के इस्तेमाल से तीर को छोड़ती है। ऐसी मुश्किल में निशाने साधने वाली इस बेटी की मुक्तकंठ से प्रशंसा ही की जानी चाहिए। दरअसल, जम्मू की रहने वाली अठारह वर्षीय का जन्म असाध्य रोग फोकोमेलिया के साथ हुआ। जिसकी वजह से उसकी बांह विकसित नहीं हो पायी। जब वह पैदा हुई तो स्वाभाविक रूप से उसके मां-बाप उसके भविष्य को लेकर आशंकित हुए। लोग-बागों के तानों ने उनकी मुश्किलों को बढ़ाया। लेकिन किसी को नहीं पता था कि बिना हाथ के भी वह अपने दृढ़ संकल्प व परिश्रम से सोने-चांदी की इबारत लिखेगी। निस्संदेह, शीतल की यह राह इतनी भी आसान नहीं थी। एक अनाम से गांव में एक साधारण किसान के घर जन्मी शीतल ने पंद्रह साल तक तो धनुष-कमान देखी भी नहीं थी। ईश्वरीय संयोग से उसका जीवन बदलने वाले धैर्यवान कोच कुलदीप वेदवान से उनकी मुलाकात श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में हुई। फिर उनकी तैयारी कटरा में एक प्रशिक्षण शिविर में हुई। सही मायनों में शीतल के धैर्य व क्षमता को देखते हुए तीरंदाजी में कामयाबी के सपने उन्हें कोच कुलदीप वेदवान ने ही दिखाए। वे जानते थे कि शीतल के पैरों में अपार क्षमता है क्योंकि वह सभी काम इनकी मदद से ही करती थी। फिर उन्होंने पैरों व ऊपरी शरीर की ताकत से निशाने साधने का प्रशिक्षण शीतल को दिया। लेकिन इस ताकत को संतुलित करके लक्ष्य में बदलने का रास्ता आसान भी नहीं था। शुरुआत में शीतल को कष्ट हुआ तो हौसला कमजोर हुआ। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी।

उसकी प्रेरणा विदेशी खिलाड़ी थे, लेकिन उनके जैसे साधन भारत जैसे देश में नहीं थे। विदेशों में प्रशिक्षण दिलाने की क्षमता उनके सामान्य माली हालत वाले परिवार में नहीं थी। उनकी क्षमता के अनुसार धनुष-बाण बनाने से लेकर निशाने साधने में दक्षता हासिल करना एक श्रमसाध्य मार्ग था। फिर मुंह की मदद से तीर छोड़ने के उपकरण तैयार किए गए, जो उनकी जटिल शारीरिक स्थिति में मददगार हो सकें। उसकी कोच अभिलाषा चौधरी ने उसकी कमियों, ताकत व उपकरणों में साम्य स्थापित करने में खासी मदद की। शीतल के लिये विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया।

कॉर्पोरेट्स से मिमियाना व किसानों पर धौंस जमाना

अरुण नैथानी

यह असमानता डरावनी है। एक आरटीआई याचिका का जवाब देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है कि 1 अप्रैल, 2014 से बैंकों ने भारत की विभिन्न कॉर्पोरेट्स की तरफ बकाया 16.61 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। वहीं, संसद में राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि देश में बकाया कृषि ऋण अब 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। 18.74 करोड़ से अधिक किसान देनदारी के बोझ तले दबे हैं। बेनीवाल ने कहा कि वास्तव में कुल बकाया कृषि ऋण देश के वार्षिक बजट में कृषि क्षेत्र के लिए आवंटित धन से 20 गुना अधिक है। उन्होंने वित्त मंत्री से पूछा कि किसानों के लिए किसी भी प्रकार की कृषि ऋण माफी योजना का उल्लेख क्यों नहीं किया गया। इसके विपरीत, पिछले 11 वर्षों में भारत की कार्पोरेट्स का कुल 16.61 लाख करोड़ रुपये का बकाया ऋण बट्टे खाते डाल दिया गया (केवल 16 प्रतिशत की वसूली हो पाई)।

भारतीय बैंकों ने पिछले पांच वर्षों में इन कंपनियों पर चढ़े कर्ज में 10.6 लाख करोड़ रुपये माफ करने से पहले दूसरी बार नहीं सोचा। रिपोर्टों का कहना है कि बकाया ऋण में 50 प्रतिशत देनदारी बड़ी कंपनियों की है। लेकिन जब बारी किसानों की आए, तो कर्नाटक के शिमोगा में एक बैंक ने एक छोटे किसान को खाता बराबर करने के वास्ते बहुत तत्परता दिखाई, जिसे केवल 3.46 रुपये का बकाया चुकाने के लिए नियमित बस सेवा के अभाव में 15 किमी पैदल चलकर आना पड़ा! अकेले वित्त वर्ष 2023-24 में, बैंकों ने कंपनियों के 1.7 लाख करोड़ रुपये माफ किए हैं। एक साल पहले, 2022-23 में, बैंकों ने 2.08 लाख करोड़ रुपये माफ किए थे। लेकिन जब बात कृषि ऋण माफ करने की आए, तो केंद्र ने ऐसा केवल दो बार किया है वर्ष 1990 और 2008 में। कुछ राज्य सरकारों ने इसे अलग से किया है, लेकिन यह बैंकों पर बोझ नहीं है, क्योंकि माफ की गई राशि का भुगतान उन सूबा सरकारों ने किया। जहां एक ओर कंपनियों का बकाया ऋण बड़ी दरियादिली से माफ कर दिया जाता है, मानो इस माफी से राष्ट्र निर्माण में मदद मिलती हो, वहीं दूसरी ओर एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्य को 35,000 रुपये वापस करने में असमर्थता के कारण प्रतीक्षारत पुलिस वैन में घसीटकर ले जाने जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि केवल गरीब किसान और ग्रामीण श्रमिक की छोटी-मोटी ऋण गैर-अदायगी ही राष्ट्रीय खाते को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि कर्ज न चुकाने वाले अमीरों को आसानी से राहत मिल जाती है। इन अमीर डिफॉल्टरों में 16,000 से अधिक जान-बूझकर कर्ज न चुकाने वाले भी शामिल हैं, जिन पर बैंकों के 3.45 लाख करोड़ रुपये बकाया हैं। जिनके बारे में आरबीआई ने भी माना है कि उनके पास पैसा था, लेकिन वे चुकाने को राज़ी न थे। अब राजस्थान के पीलीबंगा के इस किसान के मामले को लें। उन्होंने एक फाइनेंस कंपनी से 2.70 लाख रुपये का कर्ज लिया और 2.57 लाख रुपये (महामारी के दौरान राज्य सरकार से प्राप्त 57,000 रुपये की सहायता राशि समेत) वापस कर दिए। लेकिन शेष राशि चुकाने में असमर्थ रहा, एक दिन जब वह घर वापस आता है तो पाते हैं कि घर पर उक्त लेनदार ने ताला जड़ दिया। बाद में, आक्रोशित ग्रामीणों ने ताला तोड़ा। अब इस अप्रिय घटना को उस 92 प्रतिशत 'हेयर-कट' (ऋण अंश माफी) के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जो बैंकों और उधारदाताओं ने कर दिखाया, जब पूर्वी भारत में मिश्रित धातु और इस्पात के एक प्रमुख निर्माता 'आधुनिक मेटैलिक्स' की तरफ बकाया 5,370 करोड़ रुपये के मामले में जुलाई, 2018 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की कोलकाता शाखा ने 'समाधान प्रस्ताव' को मंजूरी देते हुए केवल 410 करोड़ रुपये की अदायगी की एवज में मामला रफा-दफा कर दिया। जाहिर है, इतने बड़े 'हेयरकट' (कर्ज माफी) के साथ, कंपनी के प्रमोटरों ने कहा कि वे सभी गतिविधियों को पूरा करने और इस अग्रणी कंपनी को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम शुरू करेंगे। कोई आश्चर्य नहीं, एक समय परिवर्तनकारी समाधान तंत्र के रूप में प्रशंसित दिवाला और दिवालियापन संहिता - संदेह के घेरे में आ गई है और बैंक अब वसूली के लिए इसका उपयोग करने के लिए उत्साहित नहीं हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि बैंकों और अन्य उधारदाताओं की वसूलियां कम हो रही हैं। हालांकि, बड़ा सवाल बना हुआ है।

यदि राजस्थान के एक किसान के घर पर महज 20,000 रुपये की शेष राशि चुकता न किए जाने पर ताला जड़ा जा सकता है, तो एनसीएलटी बकाया कर्ज का 92 प्रतिशत माफ करके आराम से निकल जाने का मौका देने की बजाय 'आधुनिक मेटालिक्स' जैसी फर्मों के परिसर की तालाबंदी क्यों नहीं की जाती और किसानों की तरह इसके मालिकों को भी सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला जाता? यदि किसी बड़ी कंपनी के लिए बड़ा 'हेयरकट' जरूरी है, तो किसानों को भी इस किस्म की नीति का लाभ क्यों नहीं मिलना चाहिए और वह भी अपेक्षाकृत छोटे-छोटे ढंग से? आखिरकार, उनका व्यक्तिगत बकाया कर्ज कॉर्पोरेट के अनचुके ऋणों का अंश मात्र भी नहीं हैं। इसके अलावा, बैंक ग्राहकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए बैंकिंग कानून अलग-अलग क्यों हों? क्या बैंक कभी आवास, कार, ट्रैक्टर या मोटरबाइक ऋण लेने वालों के साथ भी उस तरह का नरम व्यवहार करते हैं जैसा कि कॉर्पोरेट्स के साथ करते हैं? बैंक कब तक कंपनियों की तरफ बकाया ऋणों को अपने सिर पर लेने की आवश्यकता को उचित ठहराते रहेंगे।

मूली-गाजर

ताजी मूली और गाजर, दोनों के पत्तों को फेंकने की जगह उनका उपयोग करना चाहिए। सर्दी के मौसम में मूली पत्तों की भुजिया बनाई जाती है, जो विटामिन सी से भरपूर होती है और इसमें फोलिक एसिड तथा अन्य विटामिन्स एवं खनिज पदार्थ होते हैं। ये इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं, साथ ही हीमोग्लोबिन बढ़ाते है। वहीं गाजर के पत्ते काफी हद तक धनिया की तरह दिखते हैं। गाजर के पत्तों में विटामिन ए, सी और के मौजूद होते हैं। इसके अलावा ये पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और फाइबर के भी बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं। इनके सेवन से वजन कम करने, आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर के जोखिम को कम करने और ओरल हेल्थ को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

पत्तागोभी

पत्तागोभी में विटामिन, मिनरल्स, फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं। साथ ही यह कम कैलोरी और हाई फाइबर वाली सब्जी है। यह पाचन क्रिया को बढ़ावा देने के साथ कब्ज की समस्या को कम करती है, कैंसर से बचाव करने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। फाइबर की भरमार वजन कम रखने और आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक है। इसके अलावा पेट में अल्सर से राहत और ब्रेस्ट में होने वाले दर्द को कम करने के लिए इसके पत्ते सहायक होते हैं।

अनुपयोगी सब्जियों के पत्तों को ने समझें कचरा

यह हैं सेहत का खजाना

जाड़े का मौसम हरी सब्जियों के इठलाने का होता है। इस समय पालक हो या मेथी, बाजार से लेकर घर के रसोई घर में अपनी हरियाली की आभा बिखेरती है। इस समय कई प्रकार की ताजगी से भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियां मिलती हैं, जैसे- पालक, मूली, सरा, मेथी, सरसों, बथुआ और कोलार्ड ग्रीन्स। इन सभी के पत्ते जहां खाने में स्वादिष्ट होते हैं, वहीं इनमें फैट, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन और कैल्शियम जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा होती है। हालांकि ये सभी पोषक तत्व आप हर मौसम में प्राप्त कर सकती हैं। क्योंकि आप अधिकांश सब्जियों को काटते या साफ करते समय उनके जिन पत्तों को अनुपयोगी समझकर फेंक देती हैं, वे बेहद उपयोगी होते हैं। ये पत्ते सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। इन पत्तों में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो कि शरीर के लिए बहुत लाभदायक हैं।

धनिया, पुदीना

धनिया पत्ते ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज पदार्थ और जल से भरपूर होते हैं। इसके साथ ही ये डायबिटीज, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने तथा शरीर से विषाक्त पदार्थों की सफाई करने में भी बेहद मददगार होते हैं। पुदीना चटनी और ताजगी भरे ड्रिंक्स में किया जाता है, क्योंकि इसमें विटामिन ए, सी, बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, एंटीवायरल, एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से मुंह की दुर्गंध भी दूर होती है।

चुकंदर-शलजम

बाजार में अक्सर चुकंदर और शलजम पत्तों समेत बेचे जाते हैं, लेकिन आपकी तरह ही अन्य महिलाएं भी इसे बेकार समझकर फेंक देती हैं। चुकंदर और शलजम के पत्ते विटामिन और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। साथ ही इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है और वसा कम होता है, जिस वजह से ये अधिक पौष्टिक होते हैं। इनके सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं, एनीमिया जैसी बीमारी का खतरा कम होता है, इम्यूनिटी बूस्ट होती है और ये स्किन को हेल्दी रखने में भी मदद करते हैं। साथ ही ये पत्ते विशेषकर शलजम के पत्ते विटामिन ए, बी और सी के अच्छे स्रोत हैं। ये फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं। इन पत्तों के सेवन से कोलेस्ट्रॉल कम होता है। ये आंखों और पेट के लिए फायदेमंद होते हैं और जोड़ों के दर्द को कम करते हैं।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

बाप- मेरे 4 बच्चे है, पहला MBA, दूसरा MCA, तीसरा PHD, चौथा चोर है। फ्रेंड- चोर को घर से निकालते क्यूं नहीं? बाप- वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

मनोहर- क्या एक वाईफ अपने हसबैंड को लखपती बना सकती है? गजोधर- हां, पर हसबैंड करोड़पती होना चाहिए।

फ्रेंड: यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांता: यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो इसलिए चूसकर रख देता हूं।

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

कहानी | क्रोधित राजा और ऋषि

ढोलकपुर नाम के साम्राज्य में एक जाने-माने ऋषि रहते थे, जो लोगों का भाग्य बताने के लिए प्रसिद्ध थे। उस राज्य का हर व्यक्ति उनके बारे में जानता था। एक दिन ऋषि के बारे में वहां के राजा को भी पता चला। राजा के मन में भी अपने भविष्य को जानने की इच्छा होने लगी। उसने अपने सैनिकों को ऋषि के पास भेजा और पूरे सादर-सम्मान से उन्हें महल लेकर आने का आदेश व आमंत्रण दिया। सैनिक ऋषि के पास गए और ऋषि को राजा का आमंत्रण सुनाते हुए उनसे महल चलने की प्रार्थना करने लगे। ऋषि तैयार हो गए। जब ऋषि महल पहुंचे, तो राजा ने बड़े ही उत्साह से उनका स्वागत-सत्कार किया और उन्हें अपने दरबार में सम्मान के साथ बैठाया। जब ऋषि ने थोड़ा आराम कर लिया, तो राजा ने ऋषि के सामने अपने मन की इच्छी रखी और उनसे अपने भविष्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा से उसकी जन्मकुंडली मंगाई और उसे ध्यान से देखने लगे। कुछ देर तक राजा की कुंडली देखने के बाद ऋषि ने राजा को बताया कि भविष्य में उनका भाग्य आशीर्वाद भरा हुआ है और जीवन में सबकुछ अच्छा ही होगा। इस तरह ऋषि ने राजा के भाग्य में बारे में अच्छी-अच्छी बातें बताई। राजा खुद से जुड़ी अच्छी भविष्यवाणी सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने ऋषि को सोने और चांदी का उपहार दिया। राजा ने ऋषि से अपने भविष्य से जुड़े दुर्भाग्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा के दुर्भाग्य से जुड़ी बातें भी बता दीं। उन्हें सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गया। वह गुस्से में ऋषि पर चिल्लाने लगा और धमकाते हुए कहा कि इतनी बेतुकी बातें करने की आपकी हिम्मत भी कैसे हुई। राजा ने तलवार निकाली और कहा कि अब मुझे मेरी मृत्यु का समय बताओ। ऋषि समझ चुका था कि राजा अपना दुर्भाग्य सुनकर उसपर क्रोधित हो गया है। वह शांति से कुछ गणना करने लगा। फिर कहा कि आपकी मृत्यु मेरी मृत्यु के ठीक एक घंटे बाद होगी।' राजा ऋषि की यह बात सुनकर हैरान हो गया। अब उसे अपनी गलती का एहसास होने लगा। उसने तुरंत अपनी तलवार नीचे रखी और ऋषि के साथ किए गए अपने दुर्व्यवहार के लिए उनसे माफी मांगी। बाद में राजा ने ऋषि को ढेर सारा धन दिया और उन्हें वापस कुटिया में आदर व सम्मान के साथ भेज दिया।

7 अंतर खोजें

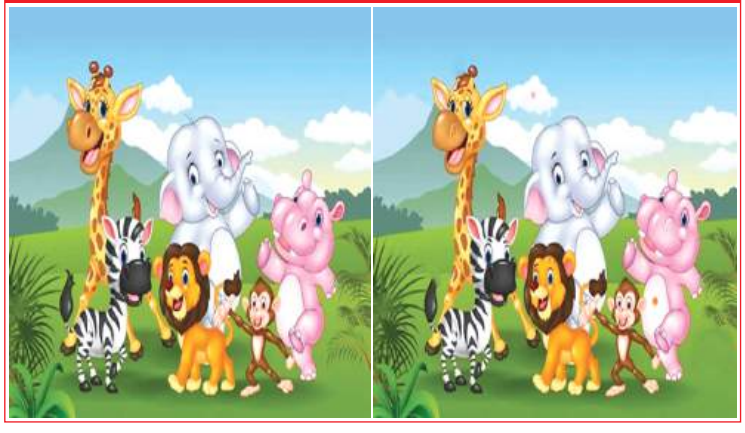

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा।

वृषभ लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

कर्क यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता।

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा।

कन्या बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा।

तुला स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना।

धनु भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे।

मकर जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे।

कुम्भ शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें। चिंताएं जन्म लेंगी।

मीन रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। शत्रु दबे रहेंगे। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन में पीआर ने मुझे इग्नोर किया : कीर्ति कुल्हारी

सो हाल ही में एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड के स्टार्स के पीआर गेम की पोल खोल दी। कीर्ति बताती हैं कि साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें पीआर गेम के बारे में पता चला। फिल्म 'पिंक' में अमिताभ बच्चन के अलावा तापसी पन्नू के अलावा कीर्ति कुल्हारी ने भी अहम रोल निभाया था। फिल्म की कहानी तीन लड़कियों की जिंदगी के आसपास थी। लेकिन जब प्रमोशन हो रहा था तो कीर्ति की चर्चा नहीं हो रही थी। इसकी वजह कीर्ति पीआर गेम को बताती हैं। कीर्ति कुल्हारी हालिया दिए अपने इंटरव्यू में बताती हैं कि फिल्म 'पिंक' की को-एक्ट्रेस तापसी का रवैया उनके लिए अच्छा रहा। लेकिन जब फिल्म 'पिंक' का प्रमोशन हो रहा था तो तापसी की ज्यादा चर्चा थी। इस पीआर गेम को मैंने दिल पर ले लिया। कीर्ति यह भी बताती हैं कि उनका पीआर गेम उस समय बिल्कुल जीरो था। यह सब कैसे काम करता है, उन्हें पता ही नहीं था। आगे जब कीर्ति ने फिल्म 'मिशन मंगल' साइन की तो मेकर्स को कह दिया था कि उन्हें फिल्म में बराबर का रिप्रेजेंटेशन चाहिए। इस फिल्म में विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा जैसे एक्ट्रेस नजर आई थीं। अक्षय कुमार भी फिल्म का हिस्सा थे। पिछले दिनों सिंगर से एक्टर बने हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रविकुमार' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी भी नजर आईं। उनका फिल्म में काफी बोल्ड लुक दिखा। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली है। लेकिन इस फिल्म का हिस्सा बनकर वह खुश हैं।

गांगुली की बायोपिक में 'दादा' का किरदार निभायेंगे राजकुमार राव

सौरव गांगुली टीम इंडिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक माने जाते हैं। माना जाता है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आक्रामक तरीके से अपने खेल को विदेशी धरती पर बढ़ाया था। 'दादा' नाम से मशहूर भारतीय क्रिकेटर की क्रिकेट के मैदान में दादागिरी से सभी वाकिफ हैं। अब उनकी बायोपिक बनाने की पूरी तैयारी है। अपनी प्रस्तावित आगामी बायोपिक के बारे में पूर्व क्रिकेटर और पूर्व बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली ने खुलासा किया है।

सौरव गांगुली ने अपनी आगामी बायोपिक के बारे में जानकारी देते हुए कहा, मैंने जो सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव यह भूमिका (मुख्य भूमिका) निभाएंगे... लेकिन तारीखों का मुद्दा है... इसलिए इसे स्क्रीन पर आने में एक साल से अधिक समय लग सकता है। फिल्म के लंबे खींचने की वजह से उनके फैंस में थोड़ी मायूसी जरूर आ सकती है।

अभिनेता राजकुमार राव का नाम पहले से ही इस परियोजना के साथ जुड़ रहा था। अब खुद सौरव गांगुली ने इस पर मुहर लगा दिया है। राजकुमार राव ने पिछले साल 'स्त्री-2' जैसी सुपहिट फिल्म दी है। उनकी पाइपलाइन में कई सारी और फिल्में भी हैं। हाल ही में उनकी आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' का टीजर भी जारी हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2021 में इस बायोपिक के निर्माण का एलान हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सौरव गांगुली की इस बायोपिक के लिए राजकुमार राव से पहले आयुष्मान खुराना और रणबीर कपूर से बातचीत की गई थी। कहा जाता है कि सबसे पहले आयुष्मान खुराना से संपर्क किया गया था। उन्होंने फिल्म साइन भी कर ली थी, लेकिन फिर वह इससे बाहर हो गए। इसके बाद रणबीर कपूर का नाम इससे जुड़ने लगा। अब राजकुमार राव का नाम सामने आया है।

आयुष्मान के साथ बड़े पर्दे पर जोड़ी जमायेंगी शरवरी वाघ

निर्देशक सूरज बड़जात्या को परिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है। निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया।

एक इंडस्ट्री सूत्र ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, पिछले साल से ही शरवरी को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह है। अब उन्हें सूरज बड़जात्या की फिल्म में नायिका के तौर पर चुना जाना शरवरी की प्रतिभा की सबसे बड़ी स्वीकृति है। यह साबित करता है कि वह भारत के सबसे बेहतरीन नए कलाकारों में से एक हैं।

दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

अजब-गजब | इस अनोखे होटल को बना रखा है जेल

इस 'जेल' में लोग खुद को कैद करवाने के लिए लाइन में खड़े हैं, हथकड़ी पहन खाते हैं बिरयानी

हैदराबाद। अब तक आपने सुना होगा कि लोग जेल जाने से डरते हैं, लेकिन सिद्दीपेट में एक होटल ऐसा है, जहां लोग खुशी-खुशी खुद को 'कैद' करवा रहे हैं। जी हां, तेलंगाना के मैत्री वनम इलाके में खुला 'जेल मंडी' होटल हर किसी की जुबान पर है। यहां खाने से ज्यादा माहौल चर्चा में है—जेल जैसी कोठरियां, हथकड़ियां, पुलिस की लाठियां और वर्दियां।

अब सोचिए, कोई आपको कहे कि चलो जेल चलते हैं और आप मना करने के बजाय खुशी-खुशी तैयार हो जाएं। यही तो हो रहा है मल्लिकार्जुन के इस अनोखे होटल में, जिसने अपने अनोखे अंदाज से लोगों को लुभा लिया है। इस होटल की सबसे खास बात यह है कि यहां खाने का मजा लेने के लिए आपको एक जेल सेल में बैठना पड़ेगा। वैसे कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन जेल जैसी कोठरियों में बैठकर गरमा-गरम बिरयानी खाने का जो मजा है, वो शायद किसी बड़े रेस्तरां में भी न मिले और हां, यहां के मेन्यू की सबसे चर्चित डिश 'चिकन जूसी बिरयानी' है, जो ग्राहकों को इतनी पसंद आई है कि लोग दोबारा-तिबारा लौटकर आ रहे

आज के सोशल मीडिया के जमाने में सिर्फ खाना ही काफी नहीं, जब तक उसमें कुछ अलग हटकर न हो। इसीलिए होटल में सिर्फ खाने का नहीं, बल्कि मजेदार फोटोशूट का भी पूरा इंतजाम है। लोग पुलिस की वर्दी पहनकर, हथकड़ी लगाकर और जेल की कोठरी में बैठकर तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। आज के सोशल मीडिया के जमाने में सिर्फ खाना ही काफी नहीं, जब तक उसमें कुछ अलग हटकर न हो। इसीलिए होटल में सिर्फ खाने का नहीं, बल्कि मजेदार फोटोशूट का भी पूरा इंतजाम है। लोग पुलिस की वर्दी पहनकर, हथकड़ी लगाकर और जेल की कोठरी में बैठकर तस्वीरें खिंचवा रहे हैं।

यहां निभाई जाती है अनोखी परंपरा, जिंदा व्यक्ति को दफना दिया जाता है जमीन में

पूरी दुनिया में लोग अलग-अलग तरह की रीति रिवाज निभाते हैं। कुछ स्थानों पर ऐसी परंपराए निभाई जाती है जिन्हें देखकर या जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा। आज हम आपको एक ऐसी ही परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं। जो बेहद ही अजीबोगरीब है। तो चलिए बताते हैं आपको इस अनोखी परंपरा के बारे में। दरअसल, इस परंपरा में जिंदा इंसान को जमीन में दफना दिया जाता है और ये प्रथा दक्षिण अमेरिकी देश क्यूबा में निभाई जाती है। इस अजीबोगरीब प्रथा को बूजी फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। इस त्योहार में जिंदा व्यक्ति को दफना दिया जाता है। इसमें किसी एक आदमी को ताबूत में बंद कर दिया जाता है और उसे शहर की सड़कों पर घुमाया जाता है। ताबूत के पीछे-पीछे उसके रिश्तेदारों और दोस्तों समेत सैकड़ों लोगों की भीड़ साथ में चलती है। सभी लोग शराब के नशे में तालियां बजाते और नाचते गाते चलते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सफेद बालों वाली एक महिला उस शख्स की विधवा बनती है। जानकारी के लिए बता दे कि क्यूबा में ये त्योहार पिछले 30 सालों से मनाया जाता है. इसका नाम ब्यूरियल ऑफ पचैंचो है। वैसे तो ये त्योहार किसी को जिंदा दफनाने के लिए होता है लेकिन यहां के नजारे को देखकर आपको लगेगा जैसे कोई शादी हो रही हो। इस त्योहार की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। इसे स्थानीय कार्निवाल के समाप्त होने और एक नए जन्म के संकेत के आधार पर माना जाता है

बिहार में नीतीश को लगा झटका

पूर्व सांसद अली अनवर अंसारी कांग्रेस में शामिल

» पसमांदा समाज के बड़े नेता हैं अली अनवर

» पूर्व सांसद बोले- मैं राहुल गांधी से प्रभावित हूं, इस बार हारेंगे नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को बड़ा झटका दिया है। पूर्व सांसद अली अनवर विधिवत रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने अली अनवर को पार्टी की सदस्यता दिलाई। जदयू के पूर्व सांसद रहे अली अनवर अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए।

कांग्रेस में आने के बाद अली अनवर ने कहा कि नीतीश कुमार जब 2017 में एनडीए में शामिल हुए तब मैं बागी हो गया था। सात सालों में बीजेपी ने भी मुझे शामिल करने की कोशिश की। लेकिन मैं अपने वसूल पर कायम रहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से प्रभावित होकर कांग्रेस की सदस्यता ली है। नीतीश कुमार पर पूर्व सांसद अली अनवर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जब हम साथ में थे तो उनके विधायकों की संख्या 200 तक थी लेकिन आज 43पर सिमट गई। पहले वह इंजन थे अब वह डब्बा बन गये हैं। उहोने भरोसा जताया कि इस बार के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार और एनडीए की और बड़ी हार होगी। वहीं कांग्रेस ऐतिहासिक प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भरोसा जताया और कहा कि बिहार में एक बड़ा बदलाव इस बार के विधानसभा चुनावों के बाद होगा। अली अनवर जेडीयू से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। 2017 में जेडीयू के बीजेपी के साथ दोबारा सरकार बनाने का अली अनवर ने विरोध जताया था। अली अनवर फिलहाल ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हैं। अब अली अनवर के जरिए कांग्रेस, अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रही है।

जेडीयू के वरिष्ठ नेता रहे हैं अली अनवर

दरअसल, पूर्व राज्यसभा सदस्य अली अनवर अंसारी, माउंटेन मैन दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी 28 जनवरी, 2025 को कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं में से थे। अली अनवर अंसारी, जिन्होंने पसमांदा मुस्लिम महाजऊ नामक संगठन की स्थापना की, जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वे अप्रैल 2006 से दिसंबर 2017 तक संसद के उच्च सदन के सदस्य रहे।

गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान है उर्दू, इसकी पढ़ाई नहीं रुकेगी : अंसारी

» बीजेपी के आरोपों पर झारखंड के मंत्री का हमला, बोले- भाजपा को उर्दू से क्या दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में इन दिनों भाषा और संस्कृति को लेकर सियासी माहौल गर्म हो गया है। हाल ही में राज्य की विपक्षी पार्टी भाजपा ने सरकार पर आरोप लगाया कि झारखंड में उर्दू भाषा को अत्यधिक प्राथमिकता दी जा रही है। इस पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरह संस्कृत और संथाली की पढ़ाई हो रही है, उसी तरह उर्दू की पढ़ाई भी जारी रहेगी। अंसारी ने कहा कि उर्दू को किसी भी राजनीतिक एजेंडे की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उर्दू सिर्फ मुस्लिम समाज की नहीं, बल्कि पूरे देश की साझा संस्कृति की धरोहर है। इस भाषा को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि झारखंड की सरकार सभी भाषाओं और संस्कृतियों को समान रूप से महत्व देती है। हमारी सरकार किसी भी भाषा या संस्कृति से भेदभाव नहीं करती। जो भाजपा इसे मुद्दा बना रही है, वह सिर्फ राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है। अंसारी ने कहा जब मुझे किसी और संस्कृति से कोई समस्या नहीं है, तो फिर भाजपा को उर्दू से क्या दिक्कत हो सकती है? उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान है। इसलिए इस भाषा की पढ़ाई पर कोई रोक नहीं लगेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने किया जीत के साथ आगाज

» रेयान-मार्करम के बाद रबाडा ने अफगानिस्तान पर बरपाया कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कराची। दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 107 रन से हरा दिया। शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी का तीसरा मैच दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच कराची में खेला गया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने 50 ओवर में सात विकेट खोकर 315 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 43.3 ओवर में सिर्फ 208 रन बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ग्रूप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

100 से ज्यादा रनों के अंतर से अफगानिस्तान को आईसीसी के किसी वनडे टूर्नामेंट में चौथी बार सबसे बड़ी शिकस्त मिली है। विश्व कप 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने इस टीम को 275 रन से हराया था। इसके बाद 2019 विश्व कप में उन्हें 150 रन और विश्व कप 2023 में 149 रन से हराया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उनकी तरफ से रहमत शाह ने सर्वाधिक 90 रनों की पारी खेली। उनके अलावा पांच बल्लेबाज 20 का आंकड़ा भी नहीं छू सके जबकि दो बल्लेबाज अपने निजी स्कोर को दहाई में तब्दील नहीं कर सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए कगिसो रबाडा ने तीन विकेट लिए जबकि लुंगी एनगिडी और वियान मुल्डर ने दो-दो सफलताएं हासिल कीं। वहीं, अफ्रीका की तरफ से रेयान 103 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर रनआउट हुए। उन्होंने 101 गेंदों में अपने करियर का पहला वनडे शतक जड़ा। उनके अलावा एडेन मार्करम ने 52*रन बनाए। वहीं, मार्को यानसेन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। अफगानिस्तान के लिए मोहम्मद नबी ने दो विकेट लिए जबकि फजलहक फारुकी, अजमतुल्लाह उमरजई और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

भारत-पाक के बीच महामुकाबला कल

दुबई। चैम्पियंस ट्राफी में भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी यानी रविवार को महामुकाबला खेला जाना है। इस मैच को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। जहां भारत अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश से जीत कर ग्रूप ए में अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं पकिस्तान की टीम फिलहाल ग्रूप-ए की अंक तालिका में सबसे नीचे चौथे स्थान पर है। क्योंकि पाक टीम कीवियों के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 260 रन पर ऑलआउट हो गई थी। आईसीसीसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान पर भारत का पलड़ा हमेशा भारी रहा है।

कलोत्सव में छात्रों के प्रदर्शन ने लोगों को मोहा

» वेदा एनिमेशन ने छात्रों को प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने का दिया मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूनिटी वेदा एनिमेशन के कलोत्सव 2025 में छात्रों की प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। 17 फरवरी से 22 फरवरी तक चलने वाले इस उत्सव में छात्रों के लिए पोर्टफोलियो प्रेजेंटेशन गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित किया। इस गतिविधि में छात्रों ने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ कार्यों का संकलन प्रस्तुत किया, जिसमें उनके एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेम डिजाइन और अन्य रचनात्मक परियोजनाओं के नमूने शामिल थे। प्रत्येक पोर्टफोलियो छात्रों की कड़ी मेहनत, लगन और रचनात्मकता का प्रतीक था।

उन्होंने अपने कार्यों के पीछे की सोच, प्रक्रिया और चुनौतियों के बारे में भी बताया, जिससे दर्शकों को उनकी कलात्मक दृष्टि को समझने में मदद मिली। छात्रों के पोर्टफोलियो देखकर विशेषज्ञ भी प्रभावित हुए और उन्होंने छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस गतिविधि ने छात्रों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया, बल्कि उन्हें अपने साथियों और विशेषज्ञों से फीडबैक प्राप्त करने का भी अवसर मिला, जिससे उन्हें अपने कौशल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

आकर्षक का केंद्र बनीं कलाकृतियां

22 फरवरी को कलोत्सव 2025 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यूनिटी वेदा के सभी छात्र अपनी कलाकृतियों और वर्क रीलों की प्रदर्शनी लगाएंगे। यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के लिए खुली रहेगी, जहाँ वे छात्रों की रचनात्मकता और कौशल का अवलोकन कर सकेंगे। इस विशेष अवसर पर श्रद्धा शुक्ला, निदेशक, राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। उनके साथ कई अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

मान सरकार के फैसले से गरमाई राज्य की सियासत

» प्रशासनिक सुधार विभाग को कर दिया खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब की आप सरकार कैबिनेट के एक बड़े फैसले के बाद से राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी भाजपा ने पंजाब में आप सरकार पर निशाना साधा और व्यंग्यात्मक ढंग से इस कदम को केजरीवाल मॉडल करार दिया। बता दें पंजाब की भगवंत मान सरकार ने प्रशासनिक सुधार विभाग को खत्म कर दिया। सरकार ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर इस फैसले की घोषणा की है।

आधिकारिक गजट में कहा गया है कि अब तक मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे कुलदीप सिंह धालीवाल के पास केवल एनआरआई मामलों का विभाग रहेगा। यह कदम आप सरकार के बड़े प्रशासनिक बदलाव का हिस्सा है, जिसमें 21 आईपीएस का स्थानांतरण भी शामिल है।

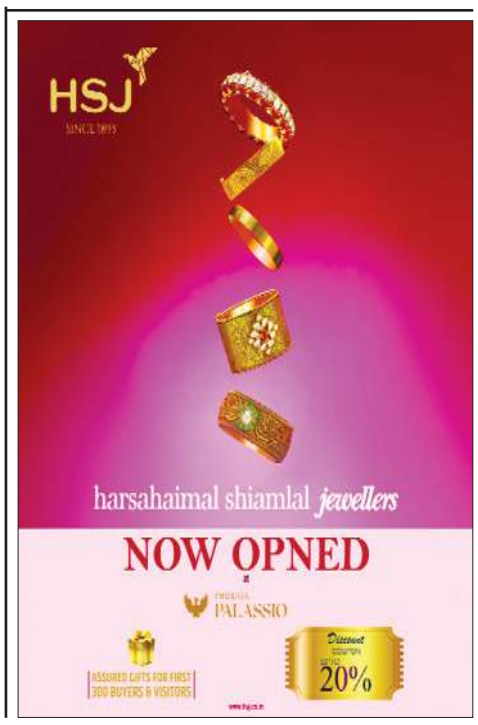

सरकार देश के दो-तीन बड़े अरबपतियों को ही फायदा पहुंचा रही : राहुल गांधी

युवाओं को किया संबोधित, बोले- देश में बढ़ी है बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। लालगंज में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में सांसद राहुल गांधी के निशाने पर अडानी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। नेता प्रतिपक्ष ने पीएम की अमेरिका में जो प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी और जो प्रधानमंत्री ने बोला था, उस पर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर भी आरोप लगाए।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार देश के दो-तीन बड़े अरब पतियों को ही फायदा पहुंचा रही है। जिससे देश में बेरोजगारी बढ़ी है। प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका जाते हैं जहां वह डोनाल्ड ट्रंप से मिलते हैं। अमेरिका में पत्रकारों ने प्रधानमंत्री से अडानी के बारे में प्रश्न किया लेकिन प्रधानमंत्री ने उसे व्यक्तिगत मामला बता कर टाल दिया।

उन्होंने अडानी के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति से बातचीत नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अडानी के खिलाफ केस चल रहा है लेकिन देश के प्रधानमंत्री इस मामले को व्यक्तिगत बता रहे हैं। पूछा कि यह कैसा जवाब है, अमेरिका की प्रेस प्रधानमंत्री से अडानी के बारे में प्रश्न पूछ रही है और प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि अडानी हमारे मित्र हैं वह अमेरिका के राष्ट्रपति से ऐसा सवाल नहीं पूछेंगे। अडानी के खिलाफ अमेरिका में भ्रष्टाचार का केस है। उन्होंने चोरी की है और प्रधानमंत्री कह

रहे हैं कि यह पर्सनल मामला है।राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नोटबंदी की। गलत जीएसटी लागू की। छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया। देश का युवा भटक रहा है। यदि रोजगार बढ़ाना है तो छोटे व्यापारियों की मदद करनी पड़ेगी। उनका सम्मान बढ़ाना पड़ेगा। उनकी रक्षा करनी होगी। जीएसटी को बदलना पड़ेगा। छोटे व्यापारियों के लिए बैंक के दरवाजे खोलने पड़ेंगे।

मायावती पर पहले दिया गया मेरा बयान सही है

राहुल गांधी से मायावती के पलटवार पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मायावती को लेकर उन्होंने पूर्व में जो बयान दिया था वो सही है। बता दें कि उन्होंने जिले में दलित छात्रों को संबोधित करते हुए बयान दिया था कि लोकसभा चुनाव में अगर मायावती इंडिया गठबंधन का हिस्सा होतीं तो भाजपा सत्ता में न आ पाती। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी पलटवार किया था। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत है या जहां उनकी सरकारें हैं, वहां बसपा व उनके अनुयाइयों के साथ उसका द्वेष व जातिवादी रवैया है। यूपी जैसे राज्य में जहां कांग्रेस कमजोर है, वहां बसपा से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें करना यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है।

राहुल ने आरेडिका के काम को सराहा

लखनऊ। रायबरेली-लालगंज। सांसद राहुल गांधी ने आरेडिका (आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना) का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों से आरेडिका के कार्यों पर जानकारी ली। कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठकर उन्होंने आरेडिका के इतिहास और उसकी कार्यशैली को जाना। कहा कि आरेडिका उत्पादन बढ़ाकर कीर्तिमान बना रही है, यह काबिले तारीफ है। आरेडिका का फोटो एल्बम देखा और अधिकारियों से उत्पादन पर जानकारी ली। कहा कि अगली बार वह आरेडिका के सेल और प्रोडक्शन हाउस को देखेंगे। इस दौरान महाप्रबंधक प्रशांत मिश्र ने उनको आरेडिका में बनने वाले रेल पहियों की जानकारी दी। चर्चा के बाद राहुल गांधी जैसे ही आरेडिका से बाहर निकलने लगे, कर्मचारियों ने उनसे ऑटोग्राफ मांगे तथा हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक बच्चे को उन्होंने गुलदस्ता दिया।

जीआईएस सर्वे बना नगर निगम की मुसीबत, जगह-जगह हो रहा बवाल

सर्वे की वजह से हजारों मकानों का गलत तरीके से गृहकर बढ़ने की मिल रही शिकायतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाउस टैक्स वसूली को लेकर शुक्रवार को जोन दो में बवाल हो गया था। इसके बाद शनिवार को वसूली में लगे कर्मचारियों धरना प्रदर्शन किया। बता दें जोनल कार्यालय के सामने ही टैक्स वसूली के लिए पहुंचे कर निरीक्षक व दुकानदार के बीच नोकझोंक हो गई। तू-तू मैं-मैं से शुरू हुई मामूली बातचीत मारपीट तक पहुंच गई। कर निरीक्षक ने पूर्व पार्षद व उनके साथियों पर थप्पड़ मारने का आरोप लगाया।

दोनों पक्षों में मारपीट की सूचना मिलने पर व्यापार मण्डल के नेता व पार्षद भी पहुंच गए। यहां हंगामा व विरोध प्रदर्शन के बाद माहौल शांत हो गया। मगर कुछ देर में व कर्मचारी संगठन के नेताओं के पहुंचने पर कर्मचारियों की ओर से प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। इस पर एक बार फिर माहौल बिगड़ गया। हाल यह था कि जोनल कार्यालय में चार जोनल अधिकारियों, तीन पार्षद व एसओ के सामने ही पार्षद, कर्मचारी व व्यापारी आपस में भिड़ गए। हंगामा बढ़ने पर एसीपी व एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक चले हंगामे के बाद दोनों पक्षों की ओर से कार्रवाई की मांग की गई है।

ऐशबाग वार्ड में कर निरीक्षक श्रेणी दो हरिशंकर पाडेण्य मास्टर कैन्हया लाल रोड पर भवन संख्या 268/26/1 पर बकाया गृहकर वसूली के लिए पहुंचे थे। इस भवन का व्यवसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है जिस पर 1,81,816 रुपये गृहकर लंबे समय से बकाया है। कई बार चेतावनी देने के बाद भी गृहकर न जमा करने पर सिलिंग की नोटिस देने पर टेंट व्यापारी की ओर से अभ्रद व्यवहार करते हुए विरोध किया गया। ऐशबाग वार्ड में उमेश का 2 हजार स्क्वायर फीट का मकान है। नीचे बर्तन की दुकान है। उमेश का कहना है कि 2024 तक का पैसा जमा है। जबकि उनका 1 लाख 80 हजार रुपए टैक्स का नोटिस आ गया था। इसका विरोध किया तो अभद्रता की गई। इस दौरान कई और व्यापारियों ने गलत ढंग से टैक्स लगाने का आरोप लगाया है। कर निरीक्षक श्रेणी दो हरिशंकर पाडेण्य का आरोप है कि इस बीच मौके पर अपने साथियों संग पहुंचे पूर्व पार्षद साकेत शर्मा ने उन्हें थप्पड ज? दिया। विरोध करने पर भाजपा पार्षद संदीप शर्मा, व्यापारी नेता महेश व एक दर्जन अन्य लोगों ने उन्हे, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नसीम व कार्यदायी संस्था के कर्मचारी आयुष को पीटना शुरू कर दिया। जान से मारने की धमकी दी गई। कर निरीक्षक हरीशंक पाडेण्य ने व्यापारियों व उनके अज्ञात साथियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमर नाथ मिश्रा भी पहुंच गए। उन्होंने कर निरीक्षक पर अवैध वसूली, अनुचित व्यवहार व अवैध तरीके से गृहकर बढ़ाए जाने का आरोप लगाया। हंगामा व विवाद बढ़ने पर अमर नाथ मिश्रा के नेतृत्व में व्यापारियों ने जोनल कार्यालय में धरना, प्रदर्शन शुरू कर दिया।

शांत होने के बाद फिर बिगड़ गया माहौल

नगर निगम प्रशासन से मिले आश्वासन के बाद व्यापारी नेताओं ने प्रदर्शन खत्म कर दिया। मगर कर्मचारी के साथ मारपीट की खबर मिलते ही मौके पर उप्र स्थानीय निकाय एवं जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शशि मिश्रा, महामंत्री कैसर रजा, नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनन्द वर्मा, उपाध्यक्ष शमीम एखलाख, मो. शुएब समेत, अर्जुन यादव व लक्ष्मी समेत कई नेताओं ने दुकानदार व पूर्व पार्षद के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर एक बार फिर माहौल गरमा गया। जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी के कक्ष में ही हंगामा खड़ा हो गया। यहां जोनल अधिकारी नंद किशोर, मनोज यादव व अजीत राय भी पहुंच गए।

जोनल कक्ष में ही कोतवाली प्रभारी व पार्षद भिड़े

भाजपा पार्षद संदीप शर्मा ने निरीक्षक पर अवैध वसूली व मारपीट का आरोप लगाते हुए मारने की धमकी देने लगे। इस पर मौके पर मौजूद कोतवाली प्रभारी बाजार खाला संतोष कुमार आर्य ने आपत्ति जतायी तो पार्षद व्यापारी नेता भड़क गए। जोनल अधिकारी कक्ष में ही पुलिस अधिकारी से जमकर तू-तू मैं-मैं हुई। दोनों ने एक दूसरे को देख लेने की धमकी देना शुरू कर दिया। माहौल गरम होने पर उपसभापति गिरीश गुप्ता, एसीपी वीरेन्द्र विक्रम, एसडीएम छह शिप्रा पाल व थाने की पुलिस भी पहुंच गई। करीब तीन घंटे तक चले बवाल के बाद व्यापारी नेताओं व कर्मचारी नेताओं को बाहर किया गया। इसके बाद माहौल शांत हुआ।

मोदी सरकार ने हर क्षेत्र को बर्बाद कर दिया : कांग्रेस

पार्टी का कटाक्ष- ऊपर सब चंगा सी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एयर इंडिया की फ्लाइट में टूटी सीट पर सफर करने का मामला गर्माने लगा है। इस मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने हर क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है। कहा कि रेल और प्लेन में यात्री परेशान हैं।

कांग्रेस ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, मोदी सरकार ने हर सेक्टर का भट्ठा बैठा दिया है। रेल और प्लेन में यात्री परेशान हैं। लोग शिकायत करते रहते हैं। वीडियो बनाते रहते हैं। मगर कोई सुनवाई नहीं होती है। अब शिवराज जी को दिक्कत हुई है तो ट्वीट कर रहे हैं, हो सकता है इस पर एक्शन भी लिया जाए। लेकिन हालात सुधरने वाले नहीं हैं, क्योंकि कोई भी सिस्टम ऊपर से ठीक होता है और ऊपर तो सब चंगा सी का ढोल पीटने से ही फुर्सत नहीं। लोग परेशानी झेलते हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर फूंके जा रहे करोड़ों रुपये : दिग्विजय

पूर्व सीएम का मप्र सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नीमच। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह शुक्रवार को नीमच पहुंचे। यहां जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीमच पहुंचे। यहां जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में आयोजित कार्यकर्ताओं सम्मेलन के कार्यकर्ताओं से चर्चा की और पार्टी हित में कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद दिग्विजय सिंह ने पत्रकारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर कई सवाल उठाए। दिग्विजय ने कहा कि गोलबाल इंवेस्टर समिट के नाम पर प्रदेश सरकार करोड़ों रुपये बर्बाद कर रही है। यह केवल अधिकारियों और पूंजीपतियों के बीच संपर्क बनाने का जरिया है, जिसका फायदा भाजपा के लोग उठाते हैं। दिग्विजय सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में साइन हुए एमओयू का हिसाब मांगा। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए दिग्विजय ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ पूंजीपतियों की सरकार है। भाजपा सरकार में किसानों द्वारा खून पसीना बहाकर उगाई जा रही सोयाबीन के दाम घट रहे हैं। तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने काले धन को वापस लाने के मोदी के वादे और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों का भी मुद्दा उठाया।

नये नियमों के साथ हाजिर होगा एलडीए

अब अधिकारियों से मिलना नहीं होगा आसान, यूनियन का फरमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिखरी शक्ति को पर्नगठित कर और ज्यादा असरदार तरीके से एलडीए कर्मचारी यूनियन ने काम करने की कसम खाई है। 12वर्षों बाद विकास प्राधिकरण में जब अलग-अलब युनियन के लोग मिले तो आपसी गिले शिकवे मिटा कर भविष्य की रणनीति पर बात हुई। सबसे पहले यह तय पाया गया कि एलडीए की साख को कैसे बचाया जाए। विभाग में पनप रहे दलाल कल्चर को कैसे रोका जाए। यही नहीं किसी पर कोई भी आरोप लगाकर अधिकारी और कर्मचारियों को निलंबित करने के कल्चर पर भी रोक लगाने की मांग उठी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण यूनियन की हुई बैठक जिसमें अवैध निर्माणों को लेकर हुई चर्चा प्राधिकरण के अधिकारियों को बदनाम करने के चलते गलत तरीके से आरोप लगाने के चलते सभी यूनियनों ने मिलकर एक जुट होकर लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को जल्द ही ज्ञापन देने की बात फाइनल हुई।

जल्दी ही बन सकते हैं कुछ नए नियम

बैठक में सर्वसम्मित से प्रस्ताव पारित हुआ कि अब गेट में प्रवेश करते ह आगुंतक को अपना परिचय देना होगा और साथ ही जिस अधिकारी से मिलना है उससे भी समय लेना पड़ेगा। बैठक में पार्किंग व्यवस्था को निःशुल्क किये जाने पर भी विचार हुआ। बैठक में तय किया गया कि निलंबित कर्मचारियों को बहाल किए जाने के लिए जल्द ही मांग उठाई जाएगी। बैठक में श्री प्रकाश विकास प्राधिकरण कर्मचारी संघ अध्यक्ष,प्रांतीय कर्मचारी संगठन अध्यक्ष अवधेश सिंह, विनोदनी मिश्रा सभी संगठनों के अध्यक्ष साथ ही कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।